हिंदी दिवस विवरण

दिनांक : 14 सितम्बर, 2026

विषय : हिंदी का डिजिटल भविष्य

गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय के देहरादून परिसर के हिंदी विभाग द्वारा हिंदी दिवस के अवसर पर 'हिंदी का डिजिटल भविष्य' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रचना चौहान द्वारा किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. निशा यादव ने हिंदी के तकनीकी पक्ष पर संक्षेप में जानकारी देते हुए, अनुवादिनी, भाषिणी एवं आदिवाणी जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित भाषा अनुवाद टूल्स के बारे में भी छात्राओं को जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर **मुख्य वक्ता के रूप में सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर एवं दैनिक समाचार-पत्र हिंदुस्तान के पूर्व स्थानीय संपादक ठाकुर सिंह नेगी ने भाषा के रूप में डिजिटल युग में हिंदी की स्थिति पर प्रकाश डाला।** उन्होंने बताया कि तकनीकी के इस दौर में आज हिंदी भारत में ही नहीं वैश्विक स्तर पर भी महत्वपूर्ण स्थान रखती है। हिंदी की भाषिक सामर्थ्य को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी भाषा की ताकत सिर्फ उसके बोलने वालों की संख्या पर ही निर्भर नहीं करती अपितु उसकी असली ताकत उसके रोजगार पक्ष से जुड़ी होती है और हिंदी रोजगार की भाषा है। हिंदी आज तकनीक की भाषा के रूप में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रोजगार के अनेक पटल जैसे- वीडियो संवादक, सोशल मीडिया प्रबंधन, कंटेंट लेखन, डिजाइन और ग्राफिक्स, ऑनलाइन मार्केटिंग, सोशल मीडिया अनुवादक और डिजिटल प्रशासनिक कार्य आदि हमारे सामने खोलती है। मुख्य वक्ता के रूप में उन्होंने छात्राओं को यूनिकोड के महत्व के साथ ही यह भी बताया कि यूनिकोड ने किस तरह से हिंदी भाषा के डिजिटल भविष्य को एक नई दिशा देने का कार्य किया। इसी का परिणाम है कि आज किसी भी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हिंदी का धड़ल्ले से प्रयोग किया जा रहा है। आज की युवा पीढ़ी हिंदी भाषा के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रस्तुतिकरण किसी भी डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे- यू ट्यूब, इंस्टग्राम और फेसबुक आदि पर बहुत ही कम संसाधनों में करने में सक्षम है। उन्होंने बताया कि हिंदी आज तकनीकी युग में भी तीसरे नम्बर पर सर्वाधिक बोले जाने वाली भाषा है यही कारण है कि आज अंतरराष्ट्रीय स्तर के सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर भी हिंदी में कंटेंट तैयार कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने हिंदी के शुद्ध उच्चारण और

लेखन पर भी छात्राओं को महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम में शोधार्थी एवं विद्यार्थियों के साथ ही डॉ. रचना चौहान और डॉ. रेखा राजपूत उपस्थित रहे।







तकनीक के साथ बढ़ रही हिंदी की ताकत

कन्या गुरुकुल परिसर में हिंदी दिवस पर व्याख्यान का आयोजन

देहरादून, वरिष्ठ संवाददाता।

गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय के देहरादून परिसर (कन्या गुरुकुल) में सोमवार को हिंदी दिवस पर हिंदी का डिजिटल भविष्य विषय पर अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार ठाकुर सिंह नेगी ने अपने संबोधन में कहा कि डिजिटल युग में हिंदी में अपार बढ़ रहे हैं। हिंदी आज रोजगार की भाषा बन चुकी है।

उन्होंने यूनिकोड फॉन्ट के महत्व पर चर्चा करते हुए बताया कि इस तकनीक ने हिंदी के डिजिटल भविष्य को नई दिशा दी है। यूनिकोड के कारण हिंदी में कंप्यूटिंग, ई-मेल, वेबसाइट, सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल माध्यमों पर काम करना आसान हुआ है। इसी का परिणाम है कि आज हिंदी का उपयोग किसी भी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सहजता से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी बहुत कम संसाधनों में भी अपनी प्रतिभा को यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक और अन्य डिजिटल मंचों के माध्यम से दुनिया के सामने प्रस्तुत कर सकती है।

हिंदी में तेयार किए जा रहे कंटेंट की बढ़ती मांग के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर के कई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हिंदी को प्राथमिकता दे रहे हैं। हिंदी की वैश्विक उपयोगिता बढ़ रही है। व्याख्यान के दौरान उन्होंने छात्राओं को हिंदी के शुद्ध उच्चारण, प्रभावी लेखन और डिजिटल माध्यमों में भाषा के सही प्रयोग के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारी दी। हिंदी विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में डॉ. निशा यादव ने हिंदी के तकनीकी पक्ष पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को अनुवादिनी, भाषिणी और आदित्यवाणी जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित भाषा अनुवाद सुविधा की जानकारी दी। कार्यक्रम में शोधार्थियों व छात्राओं के साथ डॉ. रचना चौहान, डॉ. रेखा राजपूत आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

दून के गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय परिसर (कन्या गुरुकुल) में सोमवार को हिंदी दिवस पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। • हिंदुस्तान

'कलम का गांधी' निर्भीक पत्रकारिता का दस्तावेज

देहरादून। हिंदी दिवस के अवसर पर सुभाष रोड स्थित होटल में सोमवार को पत्रकार एवं लेखक राजेशपाल गुसाईं की पुस्तक 'कलम का गांधी : कुंवर प्रसून और उत्तराखंड' पर परिचर्चा आयोजित हुई। साहित्यकारों, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पुस्तक को उत्तराखंड के जन-आंदोलनों और खोजी पत्रकारिता का महत्वपूर्ण दस्तावेज बताया। परिचर्चा में दिनेश शास्त्री, शूरवीर रावत आदि मौजूद रहे।

बोलने की नहीं, रोजगार की भाषा है हिंदी

देहरादून। गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय के देहरादून परिसर के हिंदी विभाग की ओर से हिंदी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हिंदी का डिजिटल भविष्य विषय पर आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि भाषा की ताकत सिर्फ उसके बोलने वालों की संख्या से नहीं बल्कि रोजगार पक्ष से जुड़ी होती है और हिंदी रोजगार की भाषा है।

मुख्य वक्ता ठाकुर सिंह नेगी ने कहा कि तकनीकी के इस दौर में आज हिंदी भारत में ही नहीं वैश्विक स्तर पर भी महत्वपूर्ण स्थान रखती है। हिंदी आज तकनीक की भाषा के रूप में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रोजगार के अनेक पटल जैसे – वीडियो संवादक, सोशल मीडिया प्रबंधन, कंटेंट लेखन, डिजाइन और ग्राफिक्स, ऑनलाइन मार्केटिंग,सोशल मीडिया अनुवादक और डिजिटल प्रशासनिक कार्य आदि हमारे सामने खोलती है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रचना चौहान ने किया। मा.सि.रि.

डॉ. निशा यादव

हिंदी विभाग, देहरादून